उत्तर प्रदेश में 4 नए राजमार्गों की घोषणा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने विस्तृत अध्ययन और कार्य योजना के बाद **चार नए लिंक एक्सप्रेसवे शुरू करने की घोषणा की।**

मुख्य बिंदु:

- रिपोर्ट के अनुसार, नए एक्सप्रेसवे में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे शामिल है, जो **आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे** से जुड़ा होगा और गंगा एक्सप्रेसवे**-** जो दो लिंक एक्सप्रेसवे के माध्यम से फर्रुखाबाद तथा जेवर हवाई अड्डे को जोड़ता है।
- **मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे** का निर्माण कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा करके जनता के लिये इसे खोलने की योजना है, ताकि श्रद्धालु वर्ष 2025 में प्रयागराज कुंभ के लिये एक्सप्रेसवे का उपयोग कर सकें।
- गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे**, गोरखपुर, संत कबीर नगर, आज़मगढ़ और अंबेडकर नगर** ज़िलों के लिये उत्कृष्ट संपर्क प्रदान करेगा।
  - ये नए एक्सप्रेसवे राज्य के **बुनियादी ढाँचे और कनेक्टिविटी को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देंगे।**
  - पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने और इन नए मार्गों के सौंदर्य को बढ़ाने के लिये सभी एक्सप्रेसवे के दोनों किनारों पर पौधे लगाए जाने चाहिये।

प्रयागराज कुंभ

- कुंभ मेला यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची (UNESCO's Representative List of Intangible Cultural Heritage of Humanity) के अंतर्गत आता है।
- कुंभ मेला पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा और शांतिपूर्ण जनसमूह है, जिसके दौरान प्रतिभागी स्नान करते हैं या पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाते हैं
  - यह **नासिक में** गोदावरी नदी के तट पर, **उज्जैन में** शिप्रा नदी के तट पर, **हरिद्वार में गंगा** के तट पर और **प्रयागराज में** गंगा, यमुना **तथा पौराणिक नदी सरस्वती** के संगम स्थल पर होता है। गंगा, यमुना एवं सरस्वती के संगम स्थल को **'संगम'** कहा जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-chief-minister-announces-4-new-highways